सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 258 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 27 अक्टूबर, 2025

मूल्य ₹ 3/-

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।
-नेल्सन मंडेला

आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को इंग्लैंड ने... 7 | महाराष्ट्र में निकाय चुनाव पर लगने... 3 | खाद की कालाबाजारी में शामिल... 2

डाटा बनाम डेमोक्रेसी

चुनाव आयोग पूरे देश में एसआईआर की तारीखों का करेगा ऐलान

» पहले चरण में वह राज्य होंगे शामिल जहां है वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव

» निजता के खतरे के साथ पालिटिक्ल ट्रैकिंग का संदेह!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्ष 2026 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं उन राज्यों के लिए चुनाव आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण का राष्ट्रीय अभ्यास की घोषणा आज करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू आज प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से शाम चार बजे देश को इस पूरे कार्यक्रम की जानकारी साझा करेंगे।

लोकतंत्र में मतदाता सूची महज नामों का संग्रह नहीं होती यह सत्ता के भविष्य की खाका तय करती है। इसलिए एसआईआर की पूरे देश में लागू करने की घोषणा की महज तकनीकी नहीं बल्कि राजनीतिक घटना बन गई। एसआईआर 1 नवंबर 2025 से शुरू होगा और 2026 में जिन 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं वहां से इसकी शुरुआत होगी।

“चुनाव आयोग के हर पुनरीक्षण कार्यक्रम के साथ देश में चुनावी कहानी भी बदलती है”

पालिटिक्ल ट्रैकिंग हो जाएगी आसान

ताजा एसआईआर कार्यक्रम के जरिये मतदाता सूची में नाम और जानकारी की जांच आधार कार्ड के डाटा से की जाएगी ताकि गलत या दोहराए गए नाम हटाए जा सकेंगें। टेक्निलकल एनालिस्ट के मुताबिक यह तकनीकी रूप से तो फायदेमंद होगा डुप्लीकेट नाम हटेंगे और फर्जी पहचानें खत्म होंगी। लेकिन यह सवाल उठता है कि क्या इससे निजता खतरे में नहीं आएगी? जब हर वोटर का नाम, पता, उम्र और पहचान डिजिटल रूप में जुड़ जाएगी तब उसका राजनीतिक ट्रैकिंग आसान हो जाएगी। एक बात और यह किसी को नहीं पता कि डाटा का सुरक्षा कवच कितना मजबूत है।

5 राज्यों में 2026 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित

लोकतंत्र की जड़ में छेड़छाड़ का डर

लोकतंत्र का अर्थ है हर नागरिक का बराबर का अधिकार। अगर वोटर लिस्ट में किसी भी तरह की अनदेखी भेदभाव या चयनात्मक संशोधन हुआ तो यह लोकतंत्र के दिल पर चोट होगी। एसआईआर का मकसद भले ही सुधार हो लेकिन अगर नीयत या निगरानी में चूक हो गयी तो यह भारत के चुनावी इतिहास में एक नया विवाद खड़ा कर सकता है। चुनाव आयोग के हर पुनरीक्षण कार्यक्रम के साथ देश में चुनावी कहानी भी बदलती है। नई मतदाता लिस्ट बनने का सीधा अर्थ नया डेमोग्राफिक पैटर्न होता है। युवा वोटरों का अनुपात, महिला मतदाताओं की संख्या, और शहरी-ग्रामीण वोट विभाजन से राजनीतिक पार्टियों के माइक्रो टारगेटिंग की दिशा तय होती है। इसलिए एसआईआर का मतलब अगले तीन सालों के लिए भारत का इलेक्टोरल मैप की री डिजाइन मानी जा सकती है।

2026 में बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्य फिर से होंगे चुनावी मोड में

विस चुनाव प्रस्तावित 5 राज्य

1. तमिलनाडू – 2026 में विधान सभा चुनाव तय हैं।
2. पश्चिम बंगाल – 2026 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।
3. केरल – 2026 के पहले हिस्से में विधानसभा चुनाव होंगे।
4. असम – 2026 में विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं।
5. पुडुचेरी (केंद्र शासित प्रदेश) – 2026 में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

लोकतांत्रिक असंतुलन

समाजशास्त्रियों के मुताबिक चुनाव आयोग का प्रस्तावित मेगा डाटा प्रोजेक्ट लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। वह कहते हैं कि ग्रामीण इलाकों में अब भी मतदाता सूची में नाम जोड़वाना या फोटो अपडेट कराना जटिल प्रक्रिया है। उनके मुताबिक चुनाव आयोग के लिए यह एक प्रशासनिक सुधार हो सकता है लेकिन यह लोकतंत्र की रीढ़ पर प्रयोग है। वोटर लिस्ट में गलती सुधारना जरूरी है लेकिन सवाल यह है कि क्या नागरिकों को शामिल करने की प्रक्रिया उतनी ही सरल होगी जितनी उन्हें हटाने की? ऐसे में इंटेंसिव रिवीजन सक्षम नागरिकों के पक्ष में और हाशिए के नागरिकों के खिलाफ जा सकता है। 2026 में बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्य फिर से चुनावी मोड में होंगे। विपक्ष पहले से केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर हमलावर है। ऐसे में एसआईआर अभियान को वोटर क्लींनिंग के नाम पर वोट बैंक छांटने का आरोप झेलना पड़ सकता है। विपक्षी दल पहले से ही इस प्रक्रिया को डाटा से लेकर वोट तक सब कुछ नियंत्रित करने का सरकारी प्रयास बता रहे हैं। चुनाव आयोग कहता है कि डिजिटल सत्यापन से पारदर्शिता आएगी। लेकिन देश के कई हिस्सों में अभी भी वोटर कार्ड के लिए लाइनें लगती हैं इंटरनेट नहीं चलता और पहचान प्रमाण पत्र अधूरे हैं। डिजिटल इंडिया का सपना अगर ग्रामीण इलाकों की वास्तविकता से न जुड़ातो एसआईआर जैसे अभियान प्रिविलेज्ड क्लास का लाभ और हाशिए का नुकसान बन जाएंगे।

खाद की कालाबाजारी में शामिल हैं भाजपाई : अखिलेश यादव

बोले- खाद संकट से जूझ रहे हैं प्रदेश के किसान, यूपी सरकार बेपरवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर करारा वार किया है। इसबार उन्होंने किसानों को लगातार खाद संकट पर योगी सरकार को घेरा है। सपा प्रमुख ने कहा कि अन्नदाताओं को खाद के लिए जूझना पड़ रहा है। धान के बाद अब गेहूं और अन्य फसलों की बोआई के लिए खाद नहीं मिल रही है। डीएपी और एनपीके के लिए भी किसान भटक रहे हैं।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि लखीमपुर खीरी, महोबा, फतेहपुर, बदायूं और अमेठी समेत अन्य जिलों में सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी लाइनें लग रही हैं। खाद संकट कम नहीं हो रहा है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जारी है। इस गोरखधंधे में भाजपा के लोग शामिल है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी साजिश के तहत किसानों को खेती और उनकी जमीनों से दूर कर रही है। महोबा में हजारों किसान खाद के लिए सहकारी समितियों पर पहुंचे, लेकिन सिर्फ कुछ लोगों के अलावा किसी को खाद नहीं मिली। लखीमपुर में सहकारी समितियों पर खाद नहीं पहुंची। 2027 में भाजपा सत्ता से हटेगी, तभी किसानों की समस्याओं का समाधान होगा।

जेल बदले जाने पर था एनकाउंटर का डर : आजम

सपा नेता आजम खां और वरिष्ठ अधिवक्ता के बीच हुई बातचीत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों के बीच विस्तृत बातचीत हुई। बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी जेल यात्रा का पूरा वर्णन किया। उन्होंने अपने छात्र जीवन की राजनीति से लेकर वर्तमान परिदृश्य पर खुलकर बात की। इसके साथ ही, अपने खिलाफ विचाराधीन 94 मुकदमों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया। बताया कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ने के दौरान लागू हुई इमर्जेंसी में उन्हें देशद्रोह के आरोप में जेल भेजा गया। जेल में भी उस अंधेरी कोठरी में रखा गया, जहां सुंदर डाकू बंद था, जिसे बाद में फांसी दी गई। जब जमानत मिली तो मीसा का मुकदमा दर्ज कराया गया। जेल से रामपुर पहुंचे तो बीड़ी श्रमिकों व बुनकरों की आवाज बने। प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की उन्होंने जमकर तारीफ की। वर्ष 2017 में उन पर अचानक दर्ज किए गए मुकदमों के बारे में कपिल सिब्बल के सवाल पर कहा कि पहले की सरकारों में सदन के अंदर आलोचना के बाद बाहर पक्ष-विपक्ष के नेता आत्मीयता से मिलते थे। अब बदला लेने की राजनीति हावी हो गई है। मेरे लिए अलग गाड़ी और अब्दुल्ला को दूसरी गाड़ी में बैठाया गया। उन्होंने पिछली बार पत्नी व बेटे समेत हम तीनों को सीतापुर जेल भेजा था। दूसरी बार रात तीन बजे हमें सोते से उठाया गया। सपा नेता ने अपनी बातचीत में कहा कि मेरे लिए अलग गाड़ी और अब्दुल्ला को दूसरी गाड़ी में बैठाया गया। मैंने जेल में सुन रखा था कि एनकाउंटर हो रहे हैं, ऐसे में जो पिता होगा वह अपनी औलाद को लेकर पीड़ा समझ जाएगा। उन्होंने कहा कि उस वक्त हम दोनों गले लगकर जुदा हुए, मैंने कहा बेटे जिंदगी रही तो फिर मिलेंगे, नहीं तो ऊपर मिलेंगे। मुझे लगता नहीं था कि हम मिल पाएंगे। आगे की राजनीति पर उन्होंने कहा कि मैं चाहूंगा जब तक सरकार आए तब तक मेरे ऊपर से मुकदमों का दाग हट जाए। मैं मुजरिम के रूप में हाउस में न जाऊं। कहा कि मैंने यूनिवर्सिटी बनाई यही मेरा गुनाह है। मुझे जेल में नहीं फांसीघर में रखा गया।

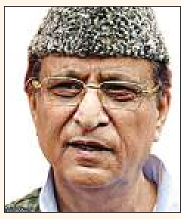

बिहार चुनाव में छठ का राजनीतिक प्रयोग कर रहे पीएम : देवेन्द्र यादव

» पीएम मोदी के वासुदेव घाट दौरे पर कांग्रेस नाराज

» आम आदमी पार्टी पर पूर्वांचलियों से छल करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वासुदेव छठ घाट दौरे को लेकर राजनीतिक बवाल मच गया है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अवसरवादिता करार दिया है।

उन्होंने कहा कि छठ महापर्व के नाम पर प्रधानमंत्री अब बिहार चुनावों में फायदा लेने की कोशिश कर रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी को कभी छठ महापर्व की याद नहीं आई लेकिन बिहार में भाजपा की हार के डर से अब वे दिल्ली के वासुदेव घाट पर धार्मिक आस्था का दिखावा करने जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह दौरा आस्था नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति का हिस्सा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में घोषणाओं के अलावा कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर उनकी चिंताएं इसलिए हैं क्योंकि भाजपा के भीतर बढ़ती गुटबाजी से उन्हें अपनी कुर्सी खतरे में दिख रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा पर पूर्वांचलियों से छल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आप और भाजपा सरकार ने एक भी नया छठ घाट नहीं बनाया है, जबकि कांग्रेस शासन में 1100 घाटों का निर्माण हुआ था। आज भी श्रद्धालु उन्हीं घाटों पर पूजा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यमुना सफाई परियोजनाओं में करोड़ों रुपये खर्च हुए, लेकिन नदी की हालत जस की तस है। आज छठ श्रद्धालु जहरीले और प्रदूषित पानी में पूजा करने को मजबूर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की नीतियां नकारात्मक और अवसरवादी हैं, आस्था का दिखावा कर रही है, जबकि श्रद्धालुओं की तकलीफों पर मौन है।

यूपीडा अधिकारी पर दर्ज कराया मुकदमा

मंत्री बेबी रानी मौर्य के पीआरओ ने लापरवाही का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में 23 अक्टूबर की रात आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर नसीरपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य बाल-बाल बच गयीं थीं. अब उनके पीआरओ आशीष सिंह यूपीडा (यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया है। जिसके बाद हड़कम्प मच गया है।

एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे में मंत्री बेबी रानी मौर्य की सरकारी फॉर्च्यूनर कार अनियंत्रित ट्रक से टकरा गई थी, जिसमें वे बाल-बाल बच गई। एफआईआर में ट्रक चालक के साथ-साथ यूपीडा अधिकारियों पर लापरवाही का गंभीर आरोप लगाया गया है। बता दें कि मंत्री बेबी रानी मौर्य 23 अक्टूबर की रात हाथरस से लखनऊ जा रहीं थीं. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर नसीरपुर थाना क्षेत्र में डायवर्जन के कारण दोनों दिशाओं का ट्रैफिक एक ही तरफ से चल रहा था. मंत्री के वाहन के आगे चल रहे ट्रक का टायर अचानक फट गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर फॉर्च्यूनर से जा टकराया। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन मंत्री समेत गार्ड व स्टाफ को कोई गंभीर चोट नहीं आई. सूचना मिलते ही पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे और मंत्री को दूसरे वाहन से लखनऊ भिजवाया। मंत्री के पीआरओ आशीष सिंह ने रविवार को नसीरपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। जिसमें यूपीडा अधिकारियों पर डायवर्जन साइट पर अपर्याप्त और अस्पष्ट संकेतकों की लापरवाही का आरोप लगाया गया है. सड़क पर लगे ड्रम गहरे नीले रंग के थे, जिनका रंग उड़ चुका था, और कोई चेतावनी बोर्ड या रिफ्लेक्टिव साइनेज नहीं थे ट्रक चालक पर भी वाहन की खराब स्थिति में ड्राइविंग का आरोप है।

खुद मंत्री बेबी रानी मौर्य ने एक्सप्रेसवे पर हादसे को लेकर चिंता जताई, उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही से आम जनता की जान को खतरा है, यूपीडा अधिकारियों को गंभीरता दिखानी चाहिए।

गडकरी ने अपनी ही पार्टी को दिखाया आईना

बोले भाजपा नेता- निष्ठावान कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय मत करो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीजेपी में अन्य दलों से आने वाले नेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस पर केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने पार्टी को एक तीखा लेकिन सटीक संदेश दिया है। उनके नए बयान से कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी झलकती है। सोलापुर जिले में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने हाल ही में आयाराम-गयाराम संस्कृति का विरोध किया था, यह कहते हुए कि इससे मेहनती और वफादार कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हो रहा है।

इसी संदर्भ में नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी नाराजगी ज़ाहिर की और बीजेपी नेतृत्व को सीधा संदेश दिया। नितिन गडकरी ने कहा कि घर की मुर्गी दाल बराबर, बाहर से आया सावजी चिकन, गडकरी ने समझाते हुए कहा कि सावजी लोग बाहर का चिकन मसाला अच्छा बनाते हैं, इसलिए बाहर का ज्यादा पसंद

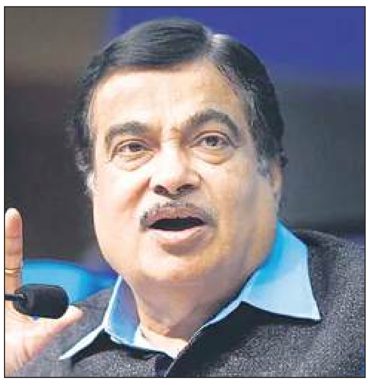

आता है उन्होंने पार्टी नेतृत्व को सीधा संदेश देते हुए कहा कि पुराने कार्यकर्ताओं को मत भूलिए. वे ही असली ताकत हैं, उन्हें संभालिए, उनकी कद्र कीजिए. अगर उन्हें नजरअंदाज किया तो जितनी तेज़ी से ऊपर जा रहे हैं, उतनी ही तेजी से नीचे गिर भी सकते हैं।

इस चेतावनी को भाजपा नेतृत्व के लिए एक कड़ा संकेत माना जा रहा है। गडकरी ने साफ कहा कि पार्टी के पुराने, निष्ठावान और मेहनती कार्यकर्ताओं की उपेक्षा नहीं होनी। इनकमिंग नेताओं को लेकर उत्साह तो ठीक है, लेकिन पुराने कार्यकर्ताओं की मेहनत और निष्ठा को नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है। नागपुर जिले के कलमेश्वर में सड़क निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान नितिन गडकरी ने यह बयान दिया।

जिला परिषदों और महानगरपालिकाओं पर कमल खिलाने के मिशन में जुटी है, जिसमें मुंबई महानगरपालिका सबसे अहम है, लेकिन अन्य दलों से नेताओं को लगातार शामिल करने की नीति से पुराने कार्यकर्ताओं में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। सोलापुर ही नहीं, बल्कि कई जिलों में इस इनकमिंग कल्चर के खिलाफ कार्यकर्ताओं में नाराज़गी है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

बिहार में यूपी के नेताओं को प्रचार में लगाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में कांग्रेस यूपी के नेताओं को प्रचार में लगाएगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को बिहार में चल रहे विधानसभा चुनाव का स्टार प्रचारक बनाया गया है। वह पहले फेज की सभी सीटों पर कांग्रेस और गठबंधन उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करेंगे।

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बने स्टार प्रचारक

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पूरी टीम के साथ ससाहभर से बिहार चुनाव में डटे हैं। वह बक्सर सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश में हुई दलित उत्पीड़न की घटनाओं का ब्यौरा देते हुए भाजपा सरकार की नाकामी गिना रहे हैं। इस बीच रविवार को कांग्रेस ने बिहार चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, मीरा कुमार, अधीर रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से सिर्फ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को शामिल किया गया है।

जल्द राज्य का दर्जा नहीं मिला तो छोड़ दूंगा सीएम की कुर्सी : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

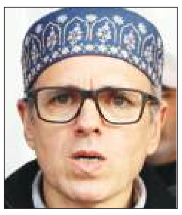

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने को राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उमर ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एक समयसीमा निर्धारित की है। अगर तय समय में राज्य का दर्जा बहाल नहीं हुआ तो वह कुर्सी छोड़ देंगे।

समय सीमा के बारे में और पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह मेरे और मेरे ऊपर वाले के बीच की बात है। जब मुझे जनता को बताना होगा, वे जान जाएंगे। मैं आपको ऐसी स्थिति में नहीं डालूंगा जहां आप मेरे पीछे स्टॉपवॉच लेकर खड़े हों। एक सीमित समय सीमा है। अगर यह मेरे गद्दी छोड़ने तक राज्य का दर्जा नहीं मिला तो यह केंद्र सरकार की विफलता होगी। सीएम ने इससे पहले 24 जून को भी कुछ ऐसा ही बयान दिया था। उन्होंने तब कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने पर अगर विधानसभा भंग करनी पड़े तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। मुख्यमंत्री के इस बयान को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि राज्यसभा के चुनाव में तीसरी अधिसूचना के तहत हुए चुनाव में तीन वोट खारिज हो गए। वहीं 28 की संख्याबल वाली भाजपा 32 वोट पाकर अपना प्रत्याशी जिताने में सफल रही। चार अतिरिक्त मतों को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव पर लगने लगा दांव

महाविकास आघाड़ी की रणनीति अभी परदे में

- » महायुति का फॉर्मूला लगभग तय
- » भाजपा विस चुनाव की तरह ही हार्ड हिंदुत्व को आधार बनाएगी
- » ठाकरे बंधु आ सकते हैं एक साथ
- » महाविकास अघाड़ी की स्थिति अब तक नहीं स्पष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के लिए सभी सियासी दल तैयारी में जुट गए हैं। महायुति का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। बीजेपी ने अकेले ही अपनी रणनीति बनाना प्रांरभ कर दिया है। वहं विधान सभा चुनाव की तरह ही हार्ड हिंदुत्व को आधार बना सकती है क्योंकि बंटेंगे तो कटेंगे के पैकेट अभी से वह बांटने लगी है। हालांकि उसके सहयोगी इससे अलग राग अलाप रहे हैं। उधर उद्धव व राज ठाकरे के साथ आने की चर्चा चल रही है। अभी फिलहाल महाविकास अघाड़ी की रणनीति का खुलासा नहीं हो पा रहा है। इस बीच चुनाव आयोग ने अगले साल तमिलनाडु में होने वाले विस चुनाव की तैयारी आरंभ कर दी है वहां पर एसआईआर करवा सकता है।

महाराष्ट्र में आने वाले कुछ महीनों में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं नगरपालिका और पंचायतों के चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले अब एक बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महापालिका चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में अहम जानकारी दी है। राज्य में जल्द ही स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे। लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए ये चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुके हैं, इसलिए इन चुनावों को लेकर सभी दलों में उत्सुकता है। अब तक यह स्पष्ट नहीं था कि ये चुनाव महायुति भाजपा, शिवसेना, राष्ट्रवादी गुट और महाविकास आघाडी शिवसेना ठाकरे गुट, कांग्रेस, राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के रूप में लड़े जाएंगे या फिर पार्टियां अपने-अपने दम पर मैदान में उतरेंगी। महायुति के वरिष्ठ नेताओं ने दावा किया था कि चुनाव गठबंधन के रूप में ही लड़े जाएंगे, लेकिन कई जगहों पर स्थानीय पदाधिकारी अपने दम पर चुनाव लड़ने का नारा दे रहे थे। कई महानगरपालिकाओं में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी के कार्यकर्ताओं ने अपने दम पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी।

चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय

ऐसे में यह सवाल उठ रहा था कि क्या तीनों दल साथ लड़ेंगे या अलग-अलग? इसी बीच अब बड़ी खबर आई है सूत्रों के मुताबिक, महापालिका चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय हो गया है। मुंबई में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी तीनों दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे। वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवड में भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। ठाणे नगर निगम चुनाव को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। फडणवीस ने बताया कि ठाणे में एकजुट होकर चुनाव लड़ने की संभवनाएं तलाश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जहां विरोधियों को फायदा हो सकता है, वहां हम महायुति के रूप में मिलकर लड़ेंगे।

अभियान पर विपक्ष ने जताई आपत्ति

विपक्ष ने इस कदम को चुनावी शगूफा बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) ने चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज करने की बात कही है कि बीजेपी बीएमसी चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने तथा भड़काने की कोशिश कर रही है। यूबीटी प्रवक्ता आनंद दुबे का आरोप है कि इस तरह के नारे और मिठाई वितरण अभियान के जरिए बीजेपी वोट पोलराइजेशन की रणनीति अपना रही है। उनका कहना है कि यह अभियान केवल मिठाई बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए लोगों के मन में धार्मिक और राजनीतिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की जा रही है।

महाविकास आघाड़ी में सस्पेंस बरकरार

इस बीच महाविकास आघाडी की ओर से भी स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया है। दूसरी तरफ राज ठाकरे की मनसे और शिवसेना ठाकरे गुट के बीच संभावित गठबंधन की चर्चा भी तेज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राज ठाकरे आगामी स्थानीय चुनावों में महाविकास आघाडी के साथ जाएंगे या नहीं।

बीजेपी बांट रही 'बटेंगे तो कटेंगे' वाली मिठाई

मुंबई में आगामी बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी ने एक नया राजनीतिक अभियान शुरू किया है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पार्टी ने घर-घर मिठाई और नमकीन के पैकेट बांटने का अभियान शुरू किया है। यह वितरण तुलसी विवाह तक जारी रहने की योजना बताई जा रही है। इन पैकेट्स पर बीजेपी का स्लोगन एक हैं तो सेफ हैं प्रमुखता से लिखा गया है, जबकि इसके साथ एक और नारा बटेंगे तो कटेंगे भी छपा हुआ है।

बीजेपी नेता ने कहा- सामाजिक जुड़ाव का कार्यक्रम है

बीजेपी उत्तर भारतीय सेल के नेता संजय पांडे ने साफ किया है कि यह कोई चुनावी प्रचार नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव का कार्यक्रम है, जिसे पार्टी कार्यकर्ता दिवाली और तुलसी विवाह जैसे अवसरों पर समाज से संवाद बढ़ाने के लिए चला रहे हैं। उनका दावा है कि इसमें किसी तरह की राजनीतिक नीयत नहीं है, हलांकि महायुति गठबंधन में शामिल एनसीपी अजित पावा गुट ने भी अपने सहयोगी दल बीजेपी पर निशाना साधा है।

अजित पवार गुट ने कहा

दिवाली जैसे पवित्र त्योहार पर इस तरह की बातें करना गलत

अजित पवार गुट के प्रवक्ता आनंद परांजपे ने दिवाली के अवसर पर दिए गए कुछ बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि दिवाली खुशियों और एकता का त्योहार है, यह किसी एक धर्म का त्योहार नहीं है, क्योंकि दिवाली हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग मनाते हैं। आनंद परांजपे ने कहा यह बेहद दुखद बात है कि आज मिठाई बांटते वक्त भी लोग स्टीकर लगा रहे हैं 'एक हैं तो सेफ हैं, बटेंगे तो कटेंगे ' त्योहारों पर भी राजनीति करना ठीक नहीं है। राजनीति के अपने मौके होते हैं, लेकिन दिवाली जैसे पवित्र त्योहार पर इस तरह की बातें करना गलत है। उन्होंने आगे कहा कि दिवाली खुशियों का त्योहार है। जिन्होंने यह स्टीकर लगाया है, उन्हें सोचना चाहिए जिस डेयरी से दूध आया, जिस कारीगर ने मिठाई बनाई, क्या वह सिर्फ हिंदू था? क्या मिठाई मुस्लिम नहीं बनाते? क्या वे दूध सप्लाई नहीं करते? यह बहुत छोटी सोच है। परांजपे ने कहा कि उनकी पार्टी और उनका स्पष्ट मत है कि संविधान है तो हम सुरक्षित हैं, संविधान है तो हम एक हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि दिवाली को धर्म या राजनीति से जोड़ने के बजाय इसे सौहार्द, प्रेम और खुशियों के त्योहार के रूप में मनाया जाए।

बावनकुले का बड़ा दावा

स्थानीय और नगर निकाय चुनावों पर बात करते हुए बावनकुले ने दावा किया कि महायुति (बीजेपी, शिवसेना, एनसीपी) गठबंधन 51 प्रतिशत वोट हासिल करेगा। उन्होंने कहा, महा विकास आघाडी चाहे जितनी एकजुट हो जाए, उसे एक भी जिला परिषद या नगर परिषद नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर जिले में तीन नेताओं की कमेटी बनाई गई है ताकि टिकट बंटवारे को लेकर कोई विवाद न हो। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि गठबंधन के भीतर आपसी मतभेद से बचें और विपक्ष को असली प्रतिद्वंदी मानें।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण

चुनाव आयोग ने शनिवार को मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए तमिलनाडु जल्द ही अपनी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करेगा। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया अगले सप्ताह शुरू होने वाली है। इसके अलावा, चुनाव की तैयारी कर रहे कई अन्य राज्य भी बिहार की तर्ज पर इसी तरह की प्रक्रिया अपनाएंगे। इस संबंध में चुनाव आयोग ने मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ के समक्ष दलीलें पेश कीं। प्रस्तावित पुनरीक्षण के दौरान, चुनाव आयोग ने कहा कि वह याचिकाकर्ता और पूर्व एआईडीएमके विधायक बी सत्यनारायणन द्वारा उठाई गई शिकायत पर विचार करेगा। यह बात उस मामले की सुनवाई के दौरान कही गई जिसमें चुनाव आयोग को टी. नगर

» चुनाव से पहले बड़े बदलाव संभव

विधानसभा क्षेत्र के 229 मतदान केंद्रों में पूर्ण और पारदर्शी पुनरीक्षण करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पूर्व एआईडीएमके विधायक ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आरोप लगाया कि चेन्नई के टी नगर निर्वाचन क्षेत्र के अधिकारियों ने सत्तारूढ़ डीएमके को लाभ पहुंचाने के लिए जानबूझकर लगभग 13,000 एआईडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। अपनी याचिका में उन्होंने बताया कि 1998 में इस निर्वाचन क्षेत्र में 2,08,349 पंजीकृत मतदाता थे, जबकि 2021 तक यह संख्या केवल 36,656 बढ़ी है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि क्षेत्र की जनसंख्या और मतदाता सूची में सूचीबद्ध नामों की संख्या के बीच काफी अंतर है। इस बीच पीठ ने याचिकाकर्ता के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और चुनाव निकाय को बिहार एसआईआर के खिलाफ मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश की प्रतियां दाखिल करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदूषण को राष्ट्रीय आपदा घोषितकर निकाले जाएं उपाय

> "जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए।

दिवाली के बाद दिल्ली व यूपी में प्रदूषण चरम पर हो जाता है। आम लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। सियासी दल एक -दूसरे के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान निकालने के बजाय राजनीति करते रहते हैं। ऐसे में समस्या का समाधान नहीं निकल नहीं पाता है। इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं।

लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहां प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दवा उद्योग नहीं, जन स्वास्थ्य को मिले प्राथमिकता

दिनेश सी शर्मा

जहरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ सिरप के सेवन से काफी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं। हाल के वर्षों में, स्वदेश और विदेशों में भी, भारत निर्मित दवाओं से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं। हर बार, हमारी प्रतिक्रिया एक जैसी होती है-मौतों का जिम्मेदार विषाक्त या घटिया दवाओं को ठहराया जाता है, राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा जांच की रस्म निभाई जाती है, कुछ छिटपुट उत्पादन इकाइयों पर छापे मारे जाते हैं, नियमों का सही ढंग से पालन न करने की रिपोर्ट आती है, कुछेक इकाइयों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए जाते हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राज्यों को नियामक मानदंडों को 'सख्ती से' लागू करवाने का निर्देश दिया जाता है।

फिर जल्द ही 'पहले जैसा क्रियाकलाप' शुरू हो जाता है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती, नियम जस-के-तस, दवा नियामक निकायों में रिक्त पदों को नहीं भरा जाता, किसी भी दोषी इकाई को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, और पिछली घटनाओं की जांच के निष्कर्षों को साझा करने की कोई जहमत नहीं उठाता। कफ सिरप को जहरीला बनाने वाले कारक अब सर्वविदित हैं, डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉल। इन दोनों जहरीले रसायनों के विषाक्त प्रभावों में पेटदर्द, उल्टी, दस्त, पेशाब करने में असमर्थता, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर आघात शामिल हैं, जिससे मौत भी हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कफ सिरप बनाते समय, खासकर प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल और पॉलीइथाइलिन ग्लाइकॉल जैसे घटकों का उपयोग करने वाले सिरपों में, डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉलर रसायनों का उपयोग मिलते जुलते नामों में गफलत होने से हो जाता है। गाम्बिया, उज्बेकिस्तान, कैमरून, इराक और अन्य देशों में 'भारत में निर्मित' उत्पादों के सेवन से दर्जनों बच्चों की मौत के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वहां के राष्ट्रीय नियामकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनके देशों में ऐसे उत्पाद पाए जाते हैं, तो उसकी सूचना दें।

एजेंसी ने राष्ट्रीय अधिकारियों को दवाओं के उपयोग से पहले उनकी उत्पादन सामग्री में डाईइथाइलिन ग्लाइकॉल की उपस्थिति की जांच करने की सलाह दी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई मौतों के लिए भी यही डाईइथाइलिन ग्लाईकॉल जिम्मेदार है। रंज होता है कि कफ सिरप निर्माता इतने लापरवाह हैं कि उनके उत्पाद की सामग्री में घातक विषाक्त पदार्थ का उपयोग हो जाए। नि:संदेह, वे अनिवार्य शर्त यानी 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज' नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अब या तो वे जीएमपी का पालन नहीं कर रहे या सरकार ने उन्हें लंबी रस्सी दे रखी है? जहरीली दवाओं से होने वाली हर मौत के बाद, जीएमपी लागू करने या उसे और सख्त बनाने की बात होती है। लेकिन जैसे ही अमल होने लगता है, लघु एवं मध्यम दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ जीएमपी नियमों को लागू करने के लिए समय मांगते हैं या उनमें ढील देने की मांग करते हैं, यह बहाना बनाते हैं कि उनके पास मानदंडों को लागू करने लायक क्षमता नहीं है। क्योंकि नियमों का सख्ती से पालन या अनुपालन न करने वाली इकाइयों के बंद होने पर उसके 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को धक्का लग सकता है। गाम्बिया में 68 बच्चों की मौत के बाद, भारतीय एजेंसियों ने तो उलटे विश्व स्वास्थ्य संगठन पर प्रक्रियाओं का पालन न करने का आरोप जड़ डाला और इसमें भारतीय निर्यात को बदनाम करने की साजिश देखी। छिंदवाड़ा की घटना के बाद, भारतीय औषधि महानियंत्रक ने दवा निर्माताओं के लिए जीएमपी की संशोधित अनुसूची एम का पालन करने की आवश्यकता दोहराई है। उन्होंने कहा है कि 'कुछ कंपनियां, जिन्होंने बुनियादी

ढांचा उन्नयन योजना के लिए सरकार के आवेदन किया है, उन्हें दिसंबर 2025 तक का समय दिया गया है' और राज्यों से संशोधित जीएमपी मानदंडों को सख्ती से लागू करने का आग्रह किया है। इसका अर्थ है कि अब तक भी, जीएमपी की नई अनुसूची पर अमल नहीं किया जा रहा।

कई देशों में भारत निर्मित कफ सिरप से हुई मौतों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मचे हंगामे के बाद, नई अनुसूची जारी की गई थी। यह बड़ी कंपनियों के लिए जून, 2024 में प्रभावी होनी थी, लेकिन लघु एवं मध्यम आकार के दवा उत्पादन (जिनका कारोबार 250 करोड़ रुपये से कम है) को दिसंबर, 2025 तक का समय दिया गया, जहरीले तत्त्वों वाली उक्त दवाएं अधिकांशत: ऐसी कंपनियों द्वारा ही बनी थीं। कारोबार की यह सीमा कुछ इस तरह से तय की गई है ताकि अधिकांश निर्माता इसके दायरे में आ सकें।

प्रकृति व आध्यात्मिक चेतना के प्रति जिम्मेदारी समझें

प्रो. सुखनंदन सिंह

हिमालय आज रुष्ट प्रतीत हो रहा है और अपनी विप्लवी हलचलों के माध्यम से मानवता को चेतावनी दे रहा है। इंसान ने हिमालय के साथ जो खिलवाड़ किया है, वह चिंताजनक और क्षोभ उत्पन्न करने वाला है। विकास के नाम पर इसके शिखरों, तलहटियों और गोद में अनियोजित योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, जो हिमालय की प्राकृतिक विशेषताओं से मेल नहीं खातीं। इन कृत्यों में मानव की अदूरदर्शिता, लोभ, अहंकार और महत्वाकांक्षाएं प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं, जो प्रकृति के प्रति न्यूनतम संवेदना की कमी को दर्शाती हैं। वर्ष 2025 में प्रकृति ने हिमालय के हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर प्रांतों में विनाशकारी तांडव किया, जिसके भयावह परिणाम पंजाब और दिल्ली तक देखने को मिले और इसका असर प्रयागराज से बनारस तक फैला।

यह घटना हिमालय की चेतावनी को सही साबित करती है और समय रहते उसकी संकेतों को समझने और आवश्यक सबक सीखने का संदेश देती है। हिमालय अब तक हमें पर्याप्त चेतावनी दे चुका है, और ऐसा लगता है कि अब वह सीधे कार्रवाई पर उतर चुका है। ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक मौसम परिवर्तन जैसी घटनाओं में भले ही प्रभावित लोगों का सीधा हाथ न हो, लेकिन इनका नाम लेकर हम अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। अपनी बेवकूफियों और अदूरदर्शिता को छुपाना या प्रकृति-विरोधी योजनाओं को विकास का रूप देना अब नहीं चल सकता। समय आत्मचिंतन, समीक्षा और ठोस सुधार का है। हमें प्रकृति और हिमालय के प्रति न्यूनतम संवेदना के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता है। अन्यथा, भविष्य में प्रकृति के विकराल दंड से कोई भी बच नहीं सकता। इस प्राकृतिक आपदा में जिनकी जान गई, उनकी आत्माओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए और उनके परिजनों के प्रति हार्दिक सांत्वना जाहिर की जाती है। सभी से यह निवेदन किया जाता है कि प्रकृति के प्रति अपना दृष्टिकोण बदलें।

भारतीय चिंतन में प्रकृति को मां के समान माना गया है, जो अपनी संतानों की रक्षा और पोषण करती है। हमें इस मां के प्रति कृतज्ञता और सम्मान के साथ काम करना चाहिए, ताकि उसकी कृपा हम पर बनी रहे। अगर हम प्रकृति को भोग्य वस्तु मानकर उसका अत्यधिक शोषण करते हैं, तो इसके नतीजे को भुगतने के लिए हमें तैयार रहना होगा। वर्ष 2025 में हिमालय क्षेत्र में शिव-शक्ति से जुड़े तीर्थस्थलों के आसपास प्राकृतिक आपदाएं अधिक आई हैं, जो एक स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति रुष्ट है। प्रकृति की अधिष्ठात्री मां जगदम्बा और भगवान शिव रुष्ट हैं, और महाकाल-महाकाली अपना ताण्डव नृत्य करने के लिए विवश हो गए हैं। वे सृष्टि के संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक विध्वंस करने के लिए बाध्य हैं, जो हमें प्रकृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का संदेश देता है। वर्तमान में तीर्थ स्थलों को मानव ने पिकनिक स्पॉट और व्यापारिक केंद्र बना दिया है, जहां तीर्थयात्रियों को लूटने का कारोबार होता है, जो तीर्थ की गरिमा के अनुरूप नहीं है।

बिना जीवन के सच्चे तप, सुधार और पात्रता के, मुफ्त में भगवान की कृपा की उम्मीद करना और तीर्थ स्थलों में गंदगी फैलाना, यह पूरी तरह से समझदारी के खिलाफ है। इस प्रकार का तीर्थाटन और चिन्हपूजा करना नादानी और नासमझी है, जो जीवन के मूल्यों की न्यूनतम समझ का भी अभाव दर्शाता है। भगवान की कृपा के लिए, व्यक्ति को अपने भीतर न्यूनतम पात्रता अर्जित करनी होती है, जो ईमानदारी, जिम्मेदारी और समझदारी पर आधारित होती है। गैरजिम्मेदार आचरण, बेईमानी और अहंकार से इसका कोई संबंध नहीं है। प्राकृतिक सौंदर्य और पवित्रता से भरपूर तीर्थ स्थलों के हृदय क्षेत्र में सड़क, रोपवे और रिजोर्ट्स का निर्माण उचित नहीं है। प्रकृति की गोद में स्थित इन स्थलों का आदर्श एकांत और साधना का वातावरण रहा है, जहां तक पहुंचने के लिए थोड़ा श्रम करना तप के रूप में माना जाता था। जो लोग अशक्त हैं, उनके लिए कंडी और अन्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं, जो स्थानीय लोगों के रोजगार का भी कारण बनती हैं। इस तरह की अव्यवस्थित विकास योजनाओं से इन स्थानों की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। वर्ष 2025 के प्रकृति तांडव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नदियों और जल स्त्रोतों के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए, और इन्हें हल्के में लेने की भूल नहीं करनी चाहिए।

इनकी राह में बस्तियां बसाना, मकान, होटल और रिजॉर्ट बनाना गलत है। अंग्रेजों ने अपने समय में जिन हिल स्टेशनों में निर्माण किए, वे आज भी प्रकृति के साथ तालमेल बनाए हुए सुरक्षित हैं। इसके विपरीत, हमने पहाड़ी क्षेत्रों की ढलानों पर जंगलों की सफाई कर बहुमंजिला भवनों की कतारें और कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं, जो हमारी अदूरदर्शिता और दिवालियापन को दर्शाते हैं। अगर किसी मौसमी बारिश में कुछ दिन और बारिश होती है, तो इसका नुकसान भयंकर हो सकता है और भूकंप के खतरे वाले क्षेत्रों में तो यह नुकसान अकल्पनीय हो सकता है। हिमालयी प्रांतों में विकास के कर्णधार नेताओं, अधिकारियों, इंजीनियरों और बुद्धिजीवियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अब सचेत हो जाएं और आम लोग भी जागरूक हों। थोड़ी-सी समझदारी, ईमानदारी और प्रकृति के प्रति न्यूनतम संवेदनशीलता से हम इस तरह की त्रासदियों के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करते हुए अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

थायराइड के मरीज के लिए वरदान हैं ये 5 योगासन

थायराइड एक ग्रंथि है जो गर्दन में स्थित होती है और यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करती है। आजकल थायराइड की समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिल रही है। वजन बढ़ना, थकान, तनाव, गले में सूजन और हार्मोनल असंतुलन इसके आम लक्षण हैं। लेकिन खुशखबरी ये है कि कुछ योगासन नियमित रूप से करने से थायराइड को कंट्रोल में रखा जा सकता है। योग एक प्राकृतिक उपाय है, जो न केवल थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करते हैं, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करते हैं, जिससे हार्मोन बैलेंस बना रहता है। ऐसे ही कुछ प्रभावशाली पांच आसान जो थायराइड मरीजों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद माने जाते हैं।

भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम दिमाग की नसों को आराम पहुंचाता है। इस क्रिया में सांसों के द्वारा नर्वस सिस्टम को सक्रिय करने में मदद मिलती है और तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। जिससे हार्मोन असंतुलन में सुधार होता है। इसके अभ्यास के लिए आंखें बंद करके गहरी सांस लें, दोनों कानों को अंगूठों से बंद करें और मधुमक्खी जैसी ध्वनि निकालें। भ्रामरी प्राणायाम में जब आप एक लय में गुंजन करते हैं तो आप वर्तमान समय में अपना ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। जिससे एवेयरनेस बढ़ती है और एकाग्रता भी बढ़ने लगती है। तनाव होने पर व्यक्ति के भावनात्मक स्तर पर भी प्रभाव पड़ता है। तनाव की वजह से व्यक्ति खुद को इमोशनली वीक महसूस करने लगता है। ऐसे में जब आप अभ्यास करते हैं तो इससे आपकी नसों को आराम मिलने से आपके भावनात्मक उतार-चढ़ाव में भी कमी आती है।

भुजंगासन

इस आसन का अभ्यास गले और छाती को खोलता है, साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं और हथेलियों को कंधों के पास रखें। सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं और सिर ऊपर रखें। 20-30 सेकंड तक रुकें। इस आसन का अभ्यास रीढ़ की हड्डी को सीधा करता है। गर्दन और पीठ के तनाव को कम करता है। साथ ही कंधों को रिलैक्स करता है।

मत्स्यासन

मत्स्यासन का अभ्यास गले की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है और थायराइड ग्रंथि को उत्तेजना देता है। इस आसन से सिर तक ऑक्सीजन सही मात्रा में पहुंचता है। मत्स्यासन के अभ्यास के लिए पद्मासन में बैठकर धीरे धीरे पीछे झुकें और पीठ के बल लेट जाएं। अपने दाएं हाथ से बाएं पैर और बाएं हाथ से दाएं पैर को पकड़ें। कोहनियों को जमीन पर टिकाएं और घुटनों को जमीन से सटाएं। सांस लेते समय सिर को पीछे की ओर उठाएं। इस अवस्था में धीरे-धीरे सांस लें और छोड़ें। फिर शुरुआती अवस्था में आ जाएं।

सर्वांगासन

सर्वांगासन थायरॉयड के मरीज के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह ग्रंथि को सक्रिय करता है और हार्मोन संतुलन में मदद करता है। यह आसन मेटाबॉलिज्म सुधारता है। हाई ब्लड प्रेशर या गर्दन की समस्या हो तो डॉक्टर की सलाह से अभ्यास करें। पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को ऊपर उठाएं और हाथों से कमर को सपोर्ट दें। पूरा शरीर कंधों पर टिकाएं।

उष्ट्रासन

ये आसन गले को पीछे की ओर स्ट्रेच करता है, थायराइड को एक्टिव करता है। इस योगासन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं। दोनों घुटनों के बीच कम से कम 6 इंच की दूरी रखें। अब दोनों हाथों को पीछे एड़ी की ओर ले जाएं। फिर दाएं हाथ के टखने को बाएं हाथ के टखने से छुएं। अपनी टांगों को सीधा रखते हुए पेट आगे की ओर निकालें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद सामान्य स्थिति में आ जाएं।

हंसना मना है

गुरु जी- बस इरादे बुलंद होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है। लड़का- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं! गुरु जी- कैसे... लड़का- हैंडपंप से!

लड़की- मेरे पापा ने मुझे नया मोबाइल खरीद कर दिया, लड़का- अरे वाह, कौन सी कंपनी का? लड़की- लावारिस, लड़का- अरे अक्ल की अंधी वो लावारिस नहीं LAVA IRIS है।

दामाद 14 दिनों से ससुराल में था, सास- दामाद जी, कब वापस जा रहे हो? दामाद- क्यों? सास- बहुत दिन हो गए, दामाद- आपकी बेटी तो दस महीने मेरे यहां रह रही है, मैंने तो जाने को नहीं बोला, सास- दामाद जी, वो तो आपके यहां ब्याही गई है न। दामाद- और मैं क्या यहां अपहरण करके लाया गया हूं?

एक बार पति-पत्नी घूमने जा रहे थे... रास्ते में गधा मिला, पत्नी को मजाक सूझी... पत्नी - आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो, पति भी कम नहीं था, बोला, ससुर जी नमस्ते।

टीचर- बताओ तुम्हारा होमवर्क कहां है? पप्पू- मैडम फेसबुक पर चेक करिए, मैंने स्क्रीनशॉट अपलोड कर दिए हैं और आपको टैग भी कर दिया है!

कहानी | पड़ोसी राजा

एक बार विजयनगर पर पड़ोसी देश के हमला करने का खतरा मंडरा रहा था। ऐसे समय में एक दरबारी ने महाराज को तेनालीराम के खिलाफ भड़काते हुए कहा कि आप जानते नहीं, लेकिन तेनालीराम पड़ोसी राज्य से मिला हुआ है। वो समय-समय पर राज दरबार की गुप्त बातें पड़ोसी देश के राजा को देता रहता है। महाराज गुस्से से बोले, मूर्ख! तेनाली राम के बारे में ऐसी बात करते हुए तुम्हें शर्म आनी चाहिए। वो विजयनगर का सबसे वफादार नागरिक है और देशभक्त भी है। दरबारी बोला, यह झूठ है महाराज। राजा ने तुरंत तेनालीराम को अपने द्वार में बुलाया और उससे पूछा कि क्या तुम पड़ोसी देश के राजा के गुप्तचर हो? तेनालीराम इसका जवाब न दे सके और रोने लगे। राजा ने कहा, तुम्हारी चुप्पी का मतलब यह है कि जो हमने सुना वो सच है। तेनालीराम बोले, आप मुझे अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए आप जो चाहे निर्णय ले सकते हैं। महाराज बोले, जाओ, जिस राजा की चापलूसी करते हो उसी के साथ रहो। तेनाली राम चल दिए। वह पड़ोसी राजा के दरबार में पहुंचे और उसकी तारीफ में उन्होंने कई गीत गाए। पड़ोसी राजा बहुत खुश हुआ और उससे उसका परिचय मांगा। तेनालीराम ने कहा, मैं विजयनगर के राजा कृष्णदेवराय का निजी सचिव हूं। राजा बोले, विजयनगर तो हमारा दुश्मन है, फिर तुम मेरे दरबार कैसे चले आए, क्या तुम्हें डर नहीं लगा? तेनालीराम बोले, आप हमें दुश्मन मानते हैं, जबकि हमारे राजा आपको दोस्त मानते हैं। पड़ोसी राजा ने चौंककर पूछा, लेकिन हमारे दरबारी तो कहते हैं कि कृष्णदेव राय हमें दुश्मन मानते हैं। तेनालीराम बोले, विजयनगर के दरबारी भी राजा को ऐसे ही भड़काते हैं, लेकिन हमारे राजा उनकी बातों में नहीं आते। वो तो आपकी तारीफ करते हैं। उनका कहना है कि पड़ोसी से दुश्मनी रखना कोई अच्छी बात नहीं है। पड़ोसी देश के राजा बोले, कहते तो तुम ठीक हो, लेकिन हम तुम्हारी बात कैसे मान लें? तेनाली बोले, मैं खुद उनका निजी सचिव हूं और उन्होंने मुझे शांति प्रस्ताव लेकर भेजा है। पड़ोसी राजा को यकीन हो गया और बोले, तो अब हमें आगे क्या करने चाहिए? तेनालीराम ने सलाह दी कि एक संधिपत्र और कुछ उपहार विजयनगर राज्य पहुंचाएं और आगे बढ़कर विजयनगर से मित्रता स्वीकार करें। उधर, कृष्णदेव को तेनाली राम की बेगुनाही का पता चल गया था और वो अपने व्यवहार पर बहुत पछता रहे थे। अगले दिन उन्होंने देखा कि दरबार में तेनालीराम और पड़ोसी राजा के दूत संधि का प्रस्ताव लेकर हाजिर थे। राजा ने तेनालीराम को प्रेमपूर्वक देखा। उन्हें मन ही मन विश्वास हो गया था कि दुश्मनी को दोस्ती में बदलने का काम सिर्फ तेनालीराम ही कर सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

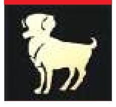

धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

तुला

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृषभ

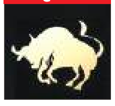

आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

वृश्चिक

दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन

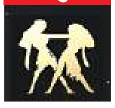

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

धनु

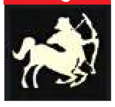

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर

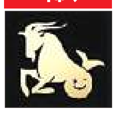

व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह

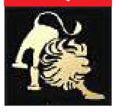

कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कुम्भ

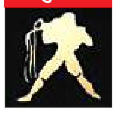

सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

कन्या

दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों से अपेक्षा न करें। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं 19 साल की उम्र में हो गई थी कास्टिंग काउच की शिकार : डॉली

डॉली सिंह बताती हैं कि उन्होंने भी अपने करियर की शुरुआत में कास्टिंग काउच झेला है। उनके साथ ये घटना दिल्ली में तब हुई, जब वो महज 19 साल की थीं। डॉली सिंह सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उनकी रील्स 10 मिलियन व्यूज तक जाती हैं। उन्हें बॉलीवुड की दो फिल्मों थैंक्यू फॉर कमिंग और डबल एक्सेल में भी देखा गया है। ज़ूम संग बातचीत में डॉली ने कहा कि उन्हें एक्टिंग का शौक काफी पहले से था। ऐसे में जब वो दिल्ली में स्ट्रगल कर रही थीं, तब वो एक कास्टिंग डायरेक्टर से मिलीं। एक्ट्रेस ने बताया, उन्होंने पहले तो मुझसे फोन पर काफी बातें कीं, जो अजीब था। लेकिन जब आप नए होते हैं, तो आपको लगता है कि अगर आप बात नहीं करेंगे, तो वो मान लेंगे कि आपको काम में कोई दिलचस्पी नहीं है। एक महिला के तौर पर, जब भी कोई आदमी आपको कुछ ऑफर करता है, तो ये कंफ्यूजिंग होता है। आपको नहीं पता होता कि वो इसलिए ऑफर कर रहा है, क्योंकि आप टैलेंटेड हैं या इसलिए क्योंकि वो कुछ चाहता है। तो वो मुझे फोन करते, ऑडिशन के बारे में बात करते और फिर कहते कि कल इस होटल में आओ। मैं तुम्हें एक प्रोड्यूसर से मिलवाऊंगा। डॉली ने आगे बताया कि उन्हें दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में बुलाया गया, जहां उनकी मुलाकात एक प्रोड्यूसर से हुई। मीटिंग खत्म होने के थोड़ी देर बाद, जब वो और कास्टिंग डायरेक्टर एकसाथ गाड़ी में बैठे, तब उनके साथ जबरदस्ती हुई। एक्ट्रेस ने बताया, जब हम कार में वापस उस प्रोड्यूसर के आने का इंतजार कर रहे थे, तब अचानक उसने मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और मेरी शर्ट के नीचे घुसने लगा। मैं इतनी शॉक रह गई कि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं।

रिलीज होते ही ओटीटी पर कब्जा जमा ली है 'ए हाउस ऑफ डायनामाइट'

ओटीटी पर नई फिल्म आई है जिसको लेकर दर्शकों के बीच काफी चर्चा हो रही है। क्रिटिक्स भी फिल्म की बहुत तारीफ कर रहे हैं। यह फिल्म है अमेरिकन थ्रिलर ड्रामा ए हाउस ऑफ डायनामाइट। फिल्म 24 अक्टूबर को रिलीज हुई है और इसने आते ही ओटीटी की टॉप ट्रेंड लिस्ट में कब्जा कर लिया है। अमेरिकन मूवी ए हाउस ऑफ डायनामाइट शुक्रवार को ओटीटी पर रिलीज हुई। हालांकि, इससे पहले से ही इस फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ था। 82वें वेनिस इंटरनेशन फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रीमियर भी हुआ था और यह यूके-यूएस के कुछ सिनेमाघरों में रिलीज भी हुई थी। अब यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी आ चुकी है।

फिल्म की कहानी और सीन्स इतने दमदार हैं कि आप एक सेकंड के लिए भी स्क्रीन्स से नजर नहीं हटा पाएंगे। कैथरीन बिगेलो निर्देशन 1 घंटे 52 मिनट की फिल्म में इदरीस एल्बा रेबेका फर्ग्यूसन, गेब्रियल बासो, जेरेड हैरिस, ट्रेसी लेट्स और ग्रेटा ली जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

ओटीटी | मसाला

फिल्म की कहानी तब शुरू होती है जब डिफेंस सिस्टम अचानक अमेरिकी इलाके की ओर आ रही एक ICBM मिसाइल को पकड़ लेते हैं, लेकिन कोई इंटेलिजेंस यह कन्फर्म नहीं कर पाता कि इसे किसने लॉन्च किया है या यह जानबूझकर किया गया हमला है या गलती से हुआ है। इसके बाद जो थ्रिल शुरू होता है, वो आपको आखिर तक फिल्म देखने के लिए मजबूर करता है। समय खत्म होने से पहले मिसाइल तबाह हो पाता है या नहीं, मूवी वाकई देखने लायक है।

किस ओटीटी पर है ए हाउस ऑफ डायनामाइट

ए हाउस ऑफ डायनामाइट को दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म को IMDb ने भी 7.1 रेटिंग दे डाली है। अगर आपने अभी तक इसे नहीं देखा है तो आप इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। एक दिन में ही इस फिल्म ने टॉप 10 ट्रेंड लिस्ट में जगह बना ली है।

इटली के बाद अब दिल्ली में होगी रश्मिका मंदाना की 'कॉकटेल 2' की शूटिंग

सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी की अदाकारी वाली फिल्म कॉकटेल (2012) को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब इसका सीक्वल बन रहा है। इसमें कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना होंगी। इसका निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं। बताया जाता है कि यह फिल्म अगले साल शुरुआत में रिलीज हो सकती है। ऐसे में फिल्म को लेकर रश्मिका मंदाना ने कई बातें बताई हैं।

कॉकटेल 2 की टीम ने हाल ही में इटली की शूटिंग पूरी की है। कलाकारों की अपडेट्स को देखते हुए ऐसा लगता है कि शूटिंग के दौरान उन्होंने खूब मस्ती की। अपने सह-कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए, रश्मिका मंदाना ने बताया कि उन्हें साथियों के साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आया। रश्मिका ने बताया, मुझे कृति और शाहिद बहुत पसंद हैं। मुझे लगता है कि हम साथ में सबसे अच्छे लोग हैं। होमी सर (होमी अदजानिया), जिनके साथ हम काम कर रहे हैं, उनके साथ काम करना भी एक खुशी की बात है। मैं दिल्ली में फिर से शूटिंग शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

बॉलीवुड | गपशप

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें अपने सह-कलाकारों के साथ शूटिंग में बहुत मजा आया और वह दर्शकों को स्क्रीन पर वही अनुभव महसूस कराना चाहती हैं। रश्मिका ने मुस्कुराते हुए कहा, हर बार जब मैं कृति या शाहिद के साथ किसी सीन में होती हूं, तो मैं बस उसका आनंद लेती हूं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि जब यह फिल्म रिलीज होगी, तो आप भी उसी आनंद को महसूस करेंगे। रश्मिका मंदाना हाल ही में रिलीज हुई फिल्म थामा की कामयाबी से खुश हैं। आयुष्मान खुराना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसने 65 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

अजब-गजब | यहां गोवर्धन पूजा के दिन होती है अजीब पूजा

यहां गधों को दुल्हन की तरह सजाकर की जाती है पूजा

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिला अंतर्गत मांडल में एक ऐसा गांव है, जहां पर खास तौर पर गधों की पूजा की जाती है। उन्हें दुल्हन की तरह सजाया जाता है, फिर गधों की पूजा की जाती है। पुराने लोग बताते हैं जिस प्रकार किसान बैल की पूजा करता है उसी प्रकार यहां कुम्हार समाज की ओर से गधों की पूजा की जाती है। पुराने समय में जब आवागमन और माल परिवहन का कोई जरिया नहीं था, तब गधों के माध्यम से ही सामान का परिवहन किया जाता था। तभी यह परंपरा शुरू हुई थी। कुम्हार (प्रजापति) समाज वर्षों से गधों (बैशाखी नंदन) के पूजन की परंपरा निभा रहा है।

प्रतापनगर निवासी कैलाश कुम्हार और नरेंद्र कुमार ने बताया कि परंपरा शुरुआत तब हुई जब गधे कुम्हार (प्रजापत) समाज की आजीविका का मुख्य साधन थे। ये गधे तालाबों और अन्य जल स्रोतों से काली मिट्टी ढोकर लाते थे, जिसका उपयोग कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाने में करते थे। समाज ने उनकी इस सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह पूजा शुरू की। यह आयोजन हर साल दीपावली के अगले दिन, गोवर्धन पूजा पर्व पर, प्रतापनगर चौक में होता है। इस कार्यक्रम में मांडल और आस-पास के गांवों से सैकड़ों लोग जुटते हैं। पूजा की शुरुआत

गधों की अर्चना से होती है, जिसमें उन्हें विभिन्न पकवान खिलाए जाते हैं। इसके बाद 'गधों की दौड़' या 'भड़काया' का आयोजन किया जाता है।

मांडल कस्बे के गोपाल कुम्हार ने बताया कि वैशाख नंदन पर्व मांडल में लगभग 70 सालों से मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वज पहले हर घर में गधे रखते थे। उससे हमारी रोजी-रोटी चलती थी। अब जैसे-जैसे साधन बढ़ रहे हैं, इनकी संख्या कम होती जा रही है। फिर भी इनको हम भूले नहीं और हमारे पूर्वज दीपावली पर इनको पूजते थे। उसी परंपरा को निभाते हुए हम भी दीपावली के दूसरे दिन अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के दिन हम इनको पूजते हैं। जिस प्रकार किसान अपने बैलों की पूजा करते हैं, उसी प्रकार हम कुम्हार समाज के लोग परंपरा को बनाए रखे हुए हैं।

मांडल कस्बे के गोपाल कुम्हार ने बताया कि वैशाख नंदन पर्व मांडल में लगभग 70 सालों से मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वज पहले हर घर में गधे रखते थे। उससे हमारी रोजी-रोटी चलती थी। अब जैसे-जैसे साधन बढ़ रहे हैं, इनकी संख्या कम होती जा रही है। फिर भी इनको हम भूले नहीं और हमारे पूर्वज दीपावली पर इनको पूजते थे। उसी परंपरा को निभाते हुए हम भी दीपावली के दूसरे दिन अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के दिन हम इनको पूजते हैं। जिस प्रकार किसान अपने बैलों की पूजा करते हैं, उसी प्रकार हम कुम्हार समाज के लोग परंपरा को बनाए रखे हुए हैं।

अंतिम संस्कार का नया तरीका! पानी में खौला कर गला देते हैं बॉडी, फिर हड्डियों का यूं बनाते हैं बुरादा

मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार की परंपराएं सदियों से चली आ रही हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट के दौर में एक नया तरीका सुर्खियों में है। एक्वामेशन या पानी से संस्कार। इसमें मृत शरीर को पानी और क्षारीय घोल में 'उबालकर' घोल दिया जाता है, नरम हिस्से तरल में बदल जाते हैं और हड्डियों को पीसकर राख बना दिया जाता है। यह पारंपरिक चिता जलाने से 90प्रतिशत कम ऊर्जा इस्तेमाल करता है और कोई हानिकारक गैसें नहीं छोड़ता। एक्वामेशन, जिसे अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस या रेसोमेशन भी कहते हैं, एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसमें मृत शरीर को स्टेनलेस स्टील के दबाव वाले सिलेंडर में रखा जाता है। फिर पानी का 95प्रतिशत और पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड का 5प्रतिशत घोल डाला जाता है। तापमान 150 डिग्री सेल्सियस और दबाव 10-20 एटमॉस्फियर रखा जाता है। 3 से 16 घंटों में नरम ऊतक, मांस, त्वचा, अंग घुलकर अमीनो एसिड, शुगर, पेप्टाइड्स और साल्ट्स वाले बंध्य तरल में बदल जाते हैं। यह तरल इतना साफ होता है कि सीवर सिस्टम में डाल सकते हैं, क्योंकि इसमें कोई डीएनए या ऊतक नहीं बचता। बची हड्डियां (कैल्शियम फॉस्फेट) सुखाई जाती हैं, 800-1000 डिग्री पर भूनकर पीस दी जाती हैं। ठीक पारंपरिक राख जैसी। यह प्रक्रिया दफन से भी तेज है, जहां बॉडी को मिट्टी में मिलने में सालों लगते हैं। पर्यावरणीय फायदे इसे 'ग्रीन क्रीमेशन' बनाते हैं। वहीं पारंपरिक चिता जलाने में 1.5 टन कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है और 400 लीटर ईंधन लगता है। एक्वामेशन में सिर्फ 100 लीटर पानी और बिजली की जरूरत होती है यानी 90प्रतिशत कम ऊर्जा। कैनेडियन क्रीमेशन एसोसिएशन के अनुसार, इससे ग्रीनहाउस गैसें 35प्रतिशत कम होती हैं। दक्षिण अफ्रीका के आर्कबिशप डेसमंड टूटू ने 2022 में इसे चुना, जो पर्यावरण प्रेमी थे। उनके अंतिम संस्कार में सादा ताबूत और यह तरीका इस्तेमाल हुआ था। अमेरिका में 28 राज्यों में इसे कानूनी मान्यता है जहां सालाना हजारों लोग अपने अंतिम संस्कार के लिए इसे चुनते हैं। यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया में भी इस तरीके को अपनाया जा रहा है। पेट एक्वामेशन का बाजार 2024 में 845 मिलियन डॉलर का था, जो 2033 तक दोगुना हो जाएगा।

हरियाणा में सैनी की नहीं चलती : हुड्डा

मनोहर लाल के बयान पर मचा घमासान

» कांग्रेस नेता बोले- एक साल में सरकार ने एक भी वायदा पूरा नहीं किया

» कांग्रेस में कोई मतभेद नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने के बाद उसके 45 संकल्प पूरे होने के सवाल जमकर हमला बोला। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकार ने एक भी वायदा पूरा नहीं किया। 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का दावा करने वाली सरकार किसानों को धान व बाजरे का पूरा मूल्य नहीं दे रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री की चलती है या नहीं। बता दें विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा था कि ऐसा कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री मिलकर काम करते हैं। अब इस बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि इसका मतलब कहा होगा।

यू रीड बिटबिन द लाइन। 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का दावा करने वाली सरकार किसानों को धान व बाजरे का पूरा मूल्य नहीं दे रही है। मजबूरी में किसान 300-400 रुपये कम में फसल बेचने पर मजबूर हैं। एक तरफ सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, दूसरी तरफ आय दोगुनी करने की जगह लागत बढ़ा दी। खाद व कीटनाशक महंगे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कभी सरकार पोर्टल पंजीकरण, कभी मंडी गेट तो अब यूरिया व डीएपी खरीद के लिए भी पंजीकरण की बात कह रही है। अगर यूं ही व्यवस्था चलती है तो मुख्यमंत्री, मंत्री व अफसरों की क्या जरूरत है। हुड्डा ने गन्ने का भाव 500 रुपये क्विंटल करने की मांग की। हुड्डा ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। 60 से अधिक गैंग संगठित तरीके से अपराध कर रही हैं। सरेआम रंगदारी मांगी जा रही है। न देने पर हत्या व फायरिंग की जा रही है। कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। उन्होंने सरकार को सलाह दी कि धरातल पर कानून व्यवस्था बनाने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गैंगस्टर विदेश में नहीं होते थे। फिर भी धरातल पर अपराध करने की हिम्मत नहीं होती थी। हुड्डा ने कहा कि चंडीगढ़ में कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी। बैठक में प्रदेश के मुद्दों पर चर्चा होगी। किसी तरह का कोई मतभेद नहीं है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के खिलाफ दायर चार्जशीट के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक दुर्भावना के तहत साजिश रचकर काम किया जा रहा है।

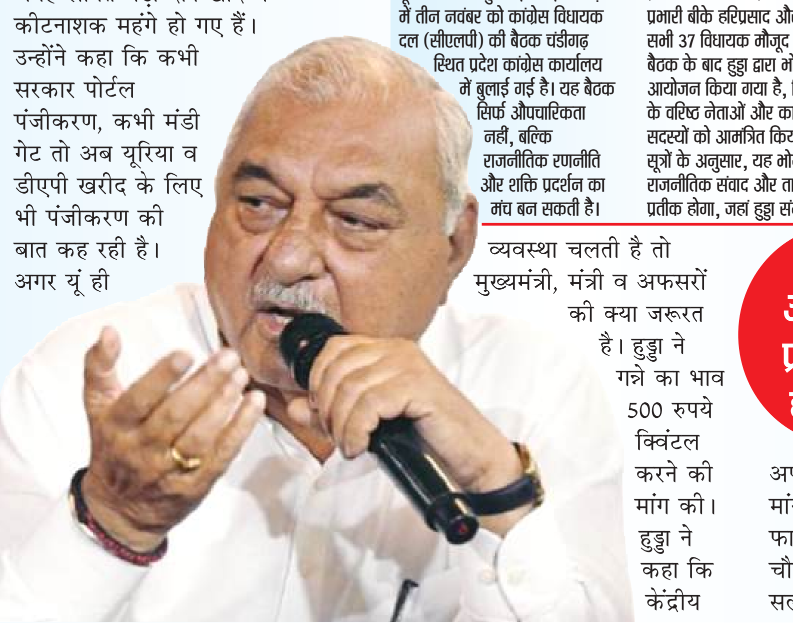

सबसे असुरक्षित प्रदेश बना हरियाणा

विस सत्र से पहले विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी

हरियाणा कांग्रेस अब विधानसभा सत्र से पहले सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में तीन नवंबर को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक चंडीगढ़ स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुलाई गई है। यह बैठक सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति और शक्ति प्रदर्शन का मंच बन सकती है। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा करेंगे, जबकि प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद और पार्टी के सभी 37 विधायक मौजूद रहेंगे। बैठक के बाद हुड्डा द्वारा भोज का आयोजन किया गया है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकारी सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह भोज राजनीतिक संवाद और तालमेल का प्रतीक होगा, जहां हुड्डा संगठन में एकजुटता का संदेश देने के साथ-साथ आगामी सत्र में सरकार के खिलाफ तीखा मोर्चा खोलने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। हुड्डा ने संकेत दिए हैं कि सत्र के दौरान कांग्रेस राज्य सरकार से फसल एमएसपी, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था की विफलता पर जवाब मांगेगी। वहीं, राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी अब सिर्फ बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीन पर लड़ाई के मोड में आ गई है।

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान नेताओं की जमीनी पकड़ की परीक्षा बनेगा : राव नरेंद्र

प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र ने कहा वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान नेताओं की जमीनी पकड़ की परीक्षा बनेगा। प्रत्येक सांसद, विधायक और पदाधिकारी को तय संख्या में हस्ताक्षर एकत्रित करने का लक्ष्य दिया गया है। 30 अक्तूबर तक रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में जमा करनी होगी।

महिला विश्वकप का लीग स्टेज खत्म

आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को इंग्लैंड ने 8 विकेट से हराया

» भारत और बांग्लादेश का मैच बारिश के चलते रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नवी मुंबई। महिला विश्व कप 2025 का रोमांच चरम पर पहुंच चुका है। रविवार को लीग स्टेज के आखिरी दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया जबकि भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया मुकाबला बिना किसी नतीजे के रद्द कर दिया गया। इंग्लैंड ने स्पिनरों के कमाल और एमी जोन्स की शानदार पारी की बदौलत न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर डिवाइन की विदाई को यादगार नहीं बनने दिया। न्यूजीलैंड की कप्तान डिवाइन ने अपने अंतिम वनडे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 38.2 ओवर में 168 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में इंग्लैंड ने सिर्फ दो विकेट खोकर 172 रन बना लिए और 124 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम किया। एमी जोन्स ने 92 गेंदों पर नाबाद 86 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने टैमी ब्यूमोंट (40) के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन और हीथर नाइट (33) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। डिवाइन ने अपने करियर का अंतिम विकेट नाइट को आउट कर लिया। वहीं भारतीय टीम का बांग्लादेश से सामना हुआ, लेकिन तेज बारिश के कारण यह मैच बिना किसी नतीजे के रद्द कर दिया गया।

इस मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए 27 ओवर में नौ विकेट खोकर 119 रन बनाए। भारत को जीत के लिए 126 रनों का लक्ष्य मिला था। इंडिया ने जवाब में बिना किसी नुकसान के 57 रन बना लिए थे, तभी बारिश आ गई और बाद में मैच को बिना परिणाम घोषित कर दिया गया।

सेमीफाइनल से पहले भारत को झटका, प्रतिका चोटिल

नवी मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल चोटिल हो गई हैं। बांग्लादेश के खिलाफ नवी मुंबई में खेले गए आखिरी लीग स्टेज मैच में प्रतिका कैच पकड़ते वक्त चोटिल हो गईं। बीसीसीआई ने प्रतिका की चोट पर अपडेट देते हुए कहा, प्रतिका को घुटने और टखने में चोट लग गई है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। विश्व कप में भारत की प्रतिका सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं। अब तक खेले सात मैचों में उन्होंने एक शतक और एक ही अर्धशतक की मदद से 308 रन बनाए हैं। इस मामले में शीर्ष पर स्मृति मंधाना हैं जो अब तक 350 रन बना चुकी हैं। भारत का 30 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल में सामना होगा। इस मैच से पहले प्रतिका का चोटिल होना चिंता का विषय है।

दिल्ली अपने मालिकों के पास भाग जाते हैं शिंदे

» शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर सामना में लेख के जरिए तीखा वार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सिम्बल और बहुमत की सुनवाई से पहले वे दिल्ली अपने मालिकों के पास भाग जाते हैं। राउत ने शिंदे गुट को चुराया हुआ दल करार दिया और संविधान और न्याय व्यवस्था पर सवाल उठाए। संजय राउत ने आगे लिखा कि अब एकनाथ शिंदे के पैर लड़खड़ाने लग गए हैं, इसलिए वे बार-बार दिल्ली भाग रहे हैं।

तंज कसते हुए शिंदे की तुलना अन्य राज्यों के नेताओं से करते हुए बताया कि जैसे चंद्रबाबू नायडू अपने राज्यों में बैठकर फैसला लेते हैं लेकिन शिंदे के मालिक दिल्ली में बैठे हैं। संजय राउत का इशारा नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर था। राउत ने दावा करते हुए लिखा कि उन्होंने पार्टी और बहुमत दोनों चुराए हैं और अब बार-बार दिल्ली के चक्कर लगा रहे हैं। शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष नहीं रख पाएगी और अगर ऐसा हुआ तो न्याय व्यवस्था से लोगों का विश्वास डगमगा जाएगा। दुनिया भारतीय संविधान पर सवाल उठा रही है, क्यूंकि एक चुराए हुए दल को सभी अधिकार दिए जा रहे हैं। फिर भी हमें नयायपालिका पर विश्वास है।

शिंदे गुट की बीजेपी में विलय की आयी नौबत

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे पर राउत ने शिंदे पर 50-50 सीट फार्मूले पर जोरदार हमला बोला कि एकनाथ शिंदे के पास मुंबई में क्या है? बीजेपी उन्हें इतनी सीटें कभी नहीं देने वाली। यही नहीं राउत ने दावा किया कि शिंदे गुट के पास अब कोई पार्टी बची ही नहीं है, और अंततः उन्हें अपना गुट बीजेपी में विलय करना पड़ेगे शिंदे गुट अब बीजेपी का अंगवस्त्र है मात्रः संजय राउत ने शिंदे की बयानबाजी को बेडूक (ढोल-नगाड़े जैसी) बताते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे की बेडूक अब शुरू हो गई है। अब अदालत को न्याय करना होगा. उन्होंने जोड़ा कि मोदी-शाह के सामने शिंदे जितनी भी छाती ठोकते हों, लेकिन अंदर की चर्चाएं सबको पता हैं। संजय राउत ने शिवसेना के अस्तित्त्व को लेकर लिखा कि बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की सौ पीढ़ियां भी नहीं चुरा सकतीं। यही नहीं राउत ने शिंदे गुट को चुराया हुआ बताते हुए शिवसेना की असली विरासत को बचाने का संकल्प जताया है।

रास में नेकां ने बीजेपी को गिफ्ट किए 7 विधायक : सज्जाद लोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीसी के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान एनसी पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। लोन ने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने सात विधायकों के वोट भाजपा को गिफ्ट कर दिए थे और पूरी प्रक्रिया को फिक्स मैच बताया।

लोन ने कहा कि इन दो-तीन अतिरिक्त वोटों से नतीजा नहीं बदलता। क्रॉस-वोटिंग के बिना भी, चौथा उम्मीदवार हार जाता। सारी क्रॉस-वोटिंग नेशनल कॉन्फ्रेंस ने ही की थी। लोन ने एनसी नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा और उन पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह वही पार्टी है जो दूसरों पर भाजपा से करीबी होने का आरोप लगाती रहती है।

बीजेपी को सता रहा हार का डर : गहलोत

» राजस्थान निकाय चुनावों में हो रही देरी पर भजन सरकार पर बरसे पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनावों में हो रही देरी को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। 'वन स्टेट, वन इलेक्शन' योजना के तहत राज्य सरकार सभी नगर निगमों के एक साथ चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। वहीं कांग्रेस आरोप लगा रही है कि सरकार को हार का डर है इसलिए जानबूझ कर चुनाव टालने वाले फैसले ले रही है। कांग्रेस के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव समय पर नहीं कराए, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 243-ई और 243-यू का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी निकायों के चुनाव हर पांच साल में कराना अनिवार्य है और उनका कार्यकाल बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है।

यूपी में फिर हैवानियत : सिर फोड़ा, पेट फाड़कर आतें निकाली बाहर

हाथ की उंगलियां भी काटी, लॉ स्टूडेंट के साथ कानपुर में बर्बरता, यूपी पुलिस पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी की योगी सरकार की पुलिस एकबार फिर सवालों के घेरें में आ गई है। कानपुर में एक चौंकाने वाले हमले में 22 वर्षीय लॉ छात्र का पेट फाड़ दिया गया और उसकी दो उंगलियां काट दी गईं साथ ही उसके सिर को भी फोड़ दिया गया।

पुलिस ने रविवार को बताया कि एलएलबी प्रथम वर्ष के छात्र अभिजीत सिंह चंदेल पर दवा की कीमत को लेकर हुए

विवाद में चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि कानपुर विश्वविद्यालय का छात्र और केशवपुरम निवासी चंदेल अपने घर के पास एक दवा की दुकान पर गया था, जहाँ उसकी दुकान के मालिक अमर सिंह चौहान से दवा की कीमत को लेकर बहस हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हमलावरों ने अभिजीत पर चाकू से बार-बार वार किया, जिससे उसका सिर और पेट फट गया। घाव से उसकी आंतें बाहर निकल आईं और उसकी दो उंगलियां कट गईं। खून से लथपथ अभिजीत सड़क पर गिर पड़ा, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले।

पैसों के विवाद में लॉ छात्र का सिर फोड़ दिया गया

कानपुर विश्वविद्यालय में एलएलबी प्रथम वर्ष का छात्र अभिजीत शनिवार रात करीब 9 बजे दवा खरीदने एक मेडिकल स्टोर गया था। जो एक सामान्य काम होना चाहिए था, वह उस समय एक भयावह अनुभव में बदल गया जब दुकान के मालिक अमर सिंह के साथ कथित तौर पर भुगतान को लेकर तीखी बहस हो गई। स्थिति तब नियंत्रण से बाहर हो गई जब अमर के भाई विजय सिंह और उनके साथी प्रिंस राज श्रीवास्तव और निखिल भी भिड़ गए।

पुलिस से जुड़े होने के आरोप

अभिजीत की माँ, नीलम सिंह चंदेल ने आरोप लगाया कि हमलावरों को पुलिस का संरक्षण प्राप्त है और उन्होंने ध्यान भटकाने के लिए उनके घायल बेटे के खिलाफ जबरन वसूली और डकैती का झूठा मामला दर्ज कराया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आरोपियों में से एक, प्रिंस राज श्रीवास्तव का आपराधिक रिकॉर्ड है और उस पर काकादेव पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली और ज़मीन हड़पने के आरोप हैं।

महागठबंधन व एनडीए में वार-पलटवार बेसुमार

बिहार में तेजी में प्रचार, वक्फ कानून पर तेजस्वी बोले- सरकार बनी तो राज्य में लागू नहीं होगा कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। इस बीच वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर इंडिया गठबंधन ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। उधर मुके श सहनी ने भी सीएम नीतीश कु मार पर हमला बोला।

इन सबके बीच भाजपा व जदयू ने भी राजद व गठबंधन को घेरा है। राजद नेता तेजस्वी यादव और भाकपा (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने को साफ कहा कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो इस कानून को राज्य में लागू नहीं होने दिया जाएगा।

सरकार बनते ही कूड़ेदान में डाल दिया जाएगा वक्फ कानून : तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने सीमांचल के कटिहार जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नई सरकार बनने पर इस विवादित वक्फ कानून को कूड़ेदान में डाल दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की सरकार इस कानून के जरिए समुदायों के बीच दरार डालने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी के इस बयान को कांग्रेस सांसद तारिक अनवर का भी समर्थन मिला। अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वक्फ कानून के खिलाफ है और तेजस्वी के इस रुख का हम पूरा समर्थन करते हैं. उन्होंने यह भी जोड़ा कि ममता बनर्जी जैसी विपक्षी नेता भी इस विधेयक का विरोध करती रही हैं।

अस्वस्थ सीएम के हाथों में 13 करोड़ जनता का भविष्य नहीं सौंपा जा सकता : मुकेश सहनी

वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने दरभंगा पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब पूरी तरह अस्वस्थ हो चुके हैं। ऐसे में बिहार के 13 करोड़ लोगों का भविष्य एक अस्वस्थ व्यक्ति के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। सहनी ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं है। 70 वर्ष की उम्र में कोई भी व्यक्ति अस्वस्थ हो सकता है, लेकिन बिहार जैसे राज्य का नेतृत्व अब युवा हाथों में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2005 में नीतीश कुमार जब पहली बार मुख्यमंत्री बने तो जनता ने उन्हें अवसर दिया। 2010 तक उन्होंने कुछ विकास भी दिखाया, लेकिन 2015 में वे लालू प्रसाद यादव की 'बैसाखी' पर सवार होकर फिर सत्ता में लौटे। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में महज 42 विधायकों के साथ वे भाजपा और वीआईपी के समर्थन से किसी तरह मुख्यमंत्री बने।

शराबबंदी का बंद होगा ढोंग : दीपांकर भट्टाचार्य

इसी बीच भाकपा (माले) के दीपांकर भट्टाचार्य ने पटना में अपनी पार्टी का घोषणापत्र परिवर्तन संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा कि बिहार में न केवल वक्फ अधिनियम, बल्कि केंद्र द्वारा लाए गए अन्य सभी संघीय ढांचे के खिलाफ कानूनों को भी लागू नहीं किया जाएगा उन्होंने राज्य में 2016 से लागू शराबबंदी कानून को ढोंग बताया और कहा कि सत्ता में आने पर इस कानून की समग्र समीक्षा की जाएगी। वहीं, जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भी शराबबंदी पर बड़ा बयान दिया उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो यह फर्जी शराबबंदी कानून खत्म कर दिया जाएगा और उससे मिलने वाला राजस्व बिहार के विकास में लगाया जाएगा।

छठ महापर्व के बाद बिहार आएंगे राहुल गांधी

राजनीतिक हलचल के बीच कांग्रेस ने यह भी ऐलान किया कि छठ महापर्व के बाद राहुल गांधी बिहार आएंगे और 29 व 30 अक्टूबर को राज्य में रहेंगे। उनके साथ प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित अन्य दिग्गज नेताओं की रैलियों की तैयारी भी चल रही है।

मुजफ्फरपुर और छपरा में पीएम मोदी जल्द करेंगे रैलियां

वहीं, बीजेपी पहले से ही प्रचार में आगे है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर और छपरा में, जबकि 2 नवंबर को भोजपुर और नवादा में रैलियां करेंगे। इसके अलावा, वे पटना में एक रोड शो में भी शामिल होंगे. केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को पटना में रोड शो की तैयारियों का जायजा लिया।

सीजेआई गवई ने उत्तराधिकारी के तौर पर की जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की

» भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीजेआई बीआर गवई ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की है। उन्होंने कानून मंत्रालय को चिट्ठी लिखी है. इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई को पत्र लिखा था और अपने उत्तराधिकारी का नाम मांगा था। 23 नवंबर, 2025 को मुख्य न्यायाधीश गवई रिटायर हो रहे हैं। इसके बाद 24 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे।

दरअसल, परंपरा के मुताबिक कानून मंत्रालय सीजेआई को उनकी सेवानिवृत्ति से लगभग एक महीने पहले उनके उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश मांगता है. इसके बाद वर्तमान CJI औपचारिक रूप से पद छोड़ने से लगभग 30 दिन पहले, पद धारण करने के लिए उपयुक्त माने जाने वाले सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज जस्टिस सूर्य कांत भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में हैं।

उनको 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करना है और उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। वे 9 फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

यूपी समेत सभी राज्यों को 'सुप्रीम' फटकार

» आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई, नगर निगम की कंप्लायंस एफिडेविट फाइल ने देने पर नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को हलफनामा दाखिल न करने पर तलब किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कंप्लायंस एफिडेविट फाइल किया है।

अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के अलावा बाकी राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को 3 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया। 22 अगस्त को, कोर्ट ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया था। आज, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने नोट किया कि केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम ने ही कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल किया है। मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित राज्यों को नोटिस जारी किया था और आदेश की बड़े पैमानें पर रिपोर्टिंग भी हुई थी। जस्टिस नाथ ने कहा, लगातार घटनाएं हो रही हैं और देश की इमेज दूसरे देशों की नजर में खराब हो रही है। हम न्यूज रिपोर्ट भी पढ़ रहे हैं। जस्टिस नाथ ने खास तौर पर एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से यह भी पूछा कि दिल्ली सरकार ने एफिडेविट क्यों फाइल नहीं किया है।जस्टिस नाथ ने कहा, एनसीटी ने एफिडेविट फाइल क्यों नहीं किया? चीफ सेक्रेटरी को एक्सप्लेनेशन देना होगा...नहीं तो कॉस्ट लगाई जा सकती है और सख्त कदम उठाए जाएंगे...सभी राज्यों/टीएस को नोटिस जारी किए गए थे...आपके ऑफिसर अखबार या सोशल मीडिया नहीं पढ़ते? सभी ने इसकी रिपोर्ट की है...जब उन्हें पता चलेगा, तो उन्हें आगे आना चाहिए! सभी चीफ सेक्रेटरी 3 नवंबर को मौजूद रहें, नहीं तो हम कोर्ट ऑडिटोरियम में करेंगे।

देश में चक्रवात मोंथा का कहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। चक्रवात मोंथा, जिसके सोमवार तक एक चक्र वाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है, 28 अक्टूबर की शाम या रात को आंध्र प्रदेश के तट पर 90-100 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

चक्रवात के नजदीक आने के साथ ही, भारतीय मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी जैसे राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पिछले छह घंटों में यह मौसम प्रणाली बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में एक गहरे दबाव के क्षेत्र में मजबूत हो गई है। सोमवार सुबह (27 अक्टूबर) तक इसके एक चक्रवाती तूफान और 28 अक्टूबर (मंगलवार) तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। ओडिशा सरकार ने बंगाल की खाड़ी में गहरे दबाव के क्षेत्र के सोमवार को चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में तब्दील होने पर संवेदनशील स्थानों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है और राज्य के आठ दक्षिणी जिलों में 128 आपदा प्रतिक्रिया दल तैनात कर दिए हैं।

लखनऊ के रेलवे अस्पताल में लगी भीषण आग

» 22 मरीजों को बचाया गया धुआं भरने से लोग बेसुध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग में स्थित रेलवे अस्पताल सोमवार सुबह अचानक आग लग गई, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। समय रहते 22 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में धुआं भरने लगा। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

शॉर्ट सर्किट की वजह से अस्पताल में लगी आग

आग कैसे और क्यों लगी इसे लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है लेकिन प्रथम दृष्टया आग की वजह से शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है. ये आग अस्पताल के सीसीटीवी रूम में लगी थी. जिसके बाद धुआं अस्पताल के दूसरे वार्डों में घुसने लगा, जिससे मरीजों को साँस लेने में परेशानी होने लगी।

ये घटना सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे की बताई जा रही है, जब शॉर्ट सर्किट की वजह से अचानक रेलवे अस्पताल में आग लग गई। देखते-देखते आग का धुआं चारों तरफ भरने लगा। जिसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गई। अस्पताल स्टफ ने फायर ब्रिगेड टीम की मदद से तेजी से मरीजों को बाहर निकाला और दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया। इन मरीजों में इमरजेंसी में भर्ती मरीज भी शामिल थे। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आग को बुझाने में करीब एक घंटे का समय लगा। गनीमत ये रही कि इस आग में कोई हताहत नहीं हुआ, जो मरीज भर्ती थे उन्हें भी बाहर निकाल लिया गया और दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।